**PRESS RELEASE**

**PRIME MINISTER NARENDRA MODI TO INAUGURATE 28TH CSPOC IN NEW DELHI/प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में 28वें सीएसपीओसी का उद्घाटन करेंगे**

**…**

**INDIA HOSTS GLOBAL PARLIAMENTARY LEADERS AT THE 28TH CSPOC/28वें सीएसपीओसी में वैश्विक संसदीय नेतृत्व की मेजबानी करेगा भारत**

**…**

**STRENGTHENING PARLIAMENTARY DEMOCRACY: 28TH CSPOC OPENS IN NEW DELHI/संसदीय लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में 28वें सीएसपीओसी का शुभारंभ**

**…**

**NEW DELHI BECOMES HUB OF COMMONWEALTH PARLIAMENTARY DIALOGUE AT 28TH CSPOC/28वें सीएसपीओसी के साथ नई दिल्ली बनेगा राष्ट्रमंडल संसदीय संवाद का केंद्र**

**…**

**INDIA REAFFIRMS COMMITMENT TO DEMOCRATIC INSTITUTIONS BY HOSTING 28TH CSPOC/28वें सीएसपीओसी की मेजबानी कर भारत ने लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पुनः सुदृढ़ की**

**…**

**LOK SABHA SPEAKER HOLDS BILATERAL MEETINGS WITH HIS COUNTERPARTS OF COMMONWEALTH COUNTRIES/लोक सभा अध्यक्ष ने राष्ट्रमंडल देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं**

**…**

**New Delhi, 14 January 2026:** Shri Narendra Modi, Prime Minister of India, will inaugurate the 28th Conference of Speakers and Presiding Officers of the Commonwealth (CSPOC) on 15 January 2026 at 10.30 a.m. in the historic Central Hall of Samvidhan Sadan, Parliament House Complex, New Delhi. The inauguration underscores the high importance India accords to parliamentary democracy and parliamentary diplomacy at the global level.

The Hon'ble Prime Minister will deliver the keynote address at the inaugural session, following which he will interact informally with the Speakers and Presiding Officers of the Commonwealth and Autonomous Parliaments. A group photograph will also be taken on the occasion.

The Parliament of India, in coordination with the CSPOC Secretariat, is hosting the 28th CSPOC in New Delhi from 14 to 16 January 2026, positioning India at the centre of a major global parliamentary engagement. The Conference will bring together Speakers and Presiding Officers from 53 national parliaments of the Commonwealth, providing a high-level forum for deliberations on the evolving role of legislatures in strengthening democratic governance and constitutional institutions.

In his capacity as Chairperson of the 28th CSPOC, the Hon'ble Speaker, Lok Sabha, chaired the meeting of the CSPOC Standing Committee on 14 January 2026 at the Sangeeti Conference Hall, Red Fort, New Delhi. The meeting was preceded by a guided visit to the Red Fort and followed by a specially curated light and sound programme, offering the visiting dignitaries an opportunity to experience India's rich civilisational heritage and the enduring legacy of a monument that symbolises the nation's freedom and democratic journey.

The Conference proceedings on 15 and 16 January 2026 will focus on contemporary issues relevant to modern legislatures, including the responsible use of artificial intelligence in parliamentary functioning, the impact of social media on parliamentary practice and public discourse, innovative approaches to enhance public understanding of Parliament and citizen participation beyond voting, and matters relating to the security, health and well-being of Members of Parliament and parliamentary officials.

A Special Plenary Session on the role of Speakers and Presiding Officers in maintaining strong democratic institutions will be addressed by the Hon'ble Speaker, Lok Sabha, who will also chair the Plenary, Special Plenary and Closing Plenary Sessions of the Conference.

The Parliament of India has earlier hosted the Conference of Speakers and Presiding Officers of the Commonwealth in 1971, 1986 and 2010. Hosting the 28th CSPOC builds upon this legacy and reaffirms India's sustained engagement with the Commonwealth parliamentary tradition and its commitment to fostering dialogue, cooperation and institutional resilience among democratic legislatures.

On the sidelines of the Conference, the Hon'ble Speaker, Lok Sabha, held bilateral interactions with several distinguished parliamentary leaders, including H.E. Mr. Francis Scarpaleggia, Speaker of the House of Commons of Canada; H.E. (Dr.) Jagath Wickramaratne, MP, Speaker of the Parliament of Sri Lanka; H.E. Ms. Azarel Ernesta, Speaker of the National Assembly of Seychelles; H.E. Mr. Abdul Raheem Abdulla, Speaker of the People's Majlis of Maldives; Rt. Hon'ble Dr. Moses Masika Wetang'ula, Speaker of the National Assembly of Kenya; H.E. Dr. Dessima Williams, President of the Senate of Grenada; H.E. Mr. Poobalan Govender, Deputy Chairperson of South Africa's National Council of Provinces; and H.E. Dr. Annelie Lotriet, Deputy Speaker of the National Assembly of South Africa.

The Standing Committee of CSPOC met today to deliberate on the agenda and other modalities of the conference.

The 28th CSPOC is expected to reinforce collective commitment to democratic values, institutional integrity and effective parliamentary oversight across the Commonwealth, while highlighting India's role as a confident, credible and responsible convenor of global parliamentary engagement.

**नई दिल्ली, 14 जनवरी 2026:** भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी दिनांक 15 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 10.30 बजे संसद भवन परिसर, नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल के पीठासीन अधिकारियों और सभापतियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) का उद्घाटन करेंगे। यह उद्घाटन वैश्विक स्तर पर संसदीय लोकतंत्र तथा उच्चस्तरीय संसदीय कूटनीति को भारत द्वारा दिए जा रहे विशेष महत्व को रेखांकित करता है।

माननीय प्रधानमंत्री उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण देंगे। इसके उपरांत वे राष्ट्रमंडल तथा स्वायत्त संसदों के सभापतियों एवं पीठासीन अधिकारियों के साथ अनौपचारिक संवाद करेंगे। इस अवसर पर सामूहिक छायाचित्र भी लिया जाएगा।

लोक सभा सचिवालय, सीएसपीओसी सचिवालय के समन्वय से, 14 से 16 जनवरी 2026 तक नई दिल्ली में 28वें सीएसपीओसी की मेजबानी कर रहा है, जिससे भारत एक महत्वपूर्ण वैश्विक संसदीय संवाद के केंद्र में स्थापित हुआ है। इस सम्मेलन में राष्ट्रमंडल के 53 राष्ट्रीय संसदों के सभापति एवं पीठासीन अधिकारी भाग ले रहे हैं। यह सम्मेलन लोकतांत्रिक शासन और संवैधानिक संस्थाओं को सुदृढ़ करने में विधायिकाओं की उभरती भूमिका पर उच्चस्तरीय विमर्श का मंच प्रदान करेगा।

28वें सीएसपीओसी के अध्यक्ष के रूप में, माननीय लोक सभा अध्यक्ष ने दिनांक 14 जनवरी 2026 को नई दिल्ली स्थित लाल किले के संगीति सम्मेलन कक्ष में सीएसपीओसी की स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक से पूर्व प्रतिनिधिमंडलों को लाल किले का निर्देशित भ्रमण कराया गया तथा बैठक के पश्चात विशेष रूप से तैयार प्रकाश एवं ध्वनि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इससे आगंतुक गणमान्य प्रतिनिधियों को भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत, स्वतंत्रता संग्राम तथा लोकतांत्रिक यात्रा के प्रतीक इस ऐतिहासिक स्मारक के स्थायी महत्व का अनुभव प्राप्त हुआ।

दिनांक 15 एवं 16 जनवरी 2026 को होने वाली सम्मेलन की कार्यवाहियाँ आधुनिक विधायिकाओं से जुड़े समसामयिक विषयों पर केंद्रित होंगी। इनमें संसदीय कार्यप्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उत्तरदायी उपयोग, संसदीय व्यवहार और सार्वजनिक विमर्श पर सोशल मीडिया का प्रभाव, मतदान से परे नागरिक सहभागिता और संसद की जनसमझ बढ़ाने के नवोन्मेषी उपाय, तथा सांसदों और संसदीय अधिकारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण से संबंधित विषय शामिल हैं।

लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखने में सभापतियों एवं पीठासीन अधिकारियों की भूमिका पर एक विशेष पूर्ण बैठक (स्पेशल प्लेनरी सत्र) को माननीय लोक सभा अध्यक्ष

संबोधित करेंगे। इसके अतिरिक्त, वे सम्मेलन के पूर्ण सत्र, विशेष पूर्ण सत्र तथा समापन पूर्ण सत्र की भी अध्यक्षता करेंगे।

भारत की संसद पूर्व में 1971, 1986 और 2010 में नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल के सभापतियों एवं पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन की मेजबानी कर चुकी है। 28वें सीएसपीओसी की मेजबानी इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाती है तथा राष्ट्रमंडल संसदीय परंपरा के प्रति भारत की सतत सहभागिता और लोकतांत्रिक विधायिकाओं के मध्य संवाद, सहयोग और संस्थागत सुदृढ़ता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करती है।

सम्मेलन के इतर, माननीय लोक सभा अध्यक्ष ने अनेक विशिष्ट संसदीय नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ताएँ कीं। इनमें कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर, महामहिम श्री फ्रांसिस स्कार्पालेजिया; श्रीलंका की संसद के स्पीकर, महामहिम (डॉ.) जगथ विक्रमरत्ने, सांसद; सेशेल्स की राष्ट्रीय सभा की स्पीकर, महामहिम सुश्री अज़ारेल एर्नेस्टा; मालदीव की पीपुल्स मजलिस के स्पीकर, महामहिम श्री अब्दुल रहीम अब्दुल्ला; केन्या की नेशनल असेंबली के स्पीकर, माननीय डॉ. मोसेस मसिका वेटांग'उला; ग्रेनेडा की सीनेट की अध्यक्ष, महामहिम डॉ. डेसिमा विलियम्स; दक्षिण अफ्रीका की नेशनल काउंसिल ऑफ प्रोविन्सेस के उपाध्यक्ष, महामहिम श्री पूबलन गोवेंदर; तथा दक्षिण अफ्रीका की नेशनल असेंबली की उपाध्यक्ष, महामहिम डॉ. एनेली लॉट्रिएट शामिल हैं।

28वां सीएसपीओसी राष्ट्रमंडल भर में लोकतांत्रिक मूल्यों, संस्थागत अखंडता और प्रभावी संसदीय पर्यवेक्षण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करने की अपेक्षा रखता है, साथ ही वैश्विक संसदीय संवाद के एक आत्मविश्वासी, विश्वसनीय और उत्तरदायी आयोजक के रूप में भारत की भूमिका को भी रेखांकित करता है।